लखनऊ में एशिया की पहली पैथोजेन रडिक्शन मशीन का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने लखनऊ स्थति कगि जार्ज चकित्सिा वश्विवद्यालय (केजीएमयू) में थोरेसकि सर्जरी और वेस्कुलर सर्जरी वभिाग के साथ ट्रांसफ्यूज़न मेडसिनि वभिाग में एशिया की पहली पैथोजेन रडिक्शन मशीन का शुभारंभ कयिा।

प्रमुख बदिु

- उल्लेखनीय है करिक्त की अनेक अशुद्धयिाँ ऐसी होती हैं, जो अधसिंख्य जाँचों में पकड़ में नहीं आती हैं और इस अशुद्ध रक्त के कसिी मरीज़ को चढ़ाए जाने पर उसे सेप्ससि जैसे संक्रमण हो सकते हैं।
- इस संक्रमण से बचाव हेतु एशिया की पहली पैथोजेन मशीन शुरू की गई है, जो केवल 15 मनिट में 4 यूनटि रक्त की अशुद्धयिों को दूर कर सकती है।
- इस मशीन से प्लेटलेट्स और प्लाज्मा में शुरुआती दौर में हुए कसिी भी प्रकार के संक्रमण को समाप्त कयिा जा सकता है, जो अंग प्रत्यारोपण अथवा कमज़ोर इम्यूनटिी वाले मरीज़ों के लयि बेहद लाभदायक साबति होगी।
- डेंगू, स्वाइन फ्लू, चकिनगुनयिा, साइटोमैगलिो वायरस समेत लगभग 200 ऐसे बैक्टीरयिा, फंगस, प्रोटोजोआ आद रिक्तदाता के रक्त में रह सकते हैं और रक्तग्राही के रक्त में जाकर संक्रमण पैला सकते हैं। यह मशीन इन्हीं संक्रमण को समाप्त कर सकती है।
- केजीएमयू के ट्रांसफ्यूजन मेडसिनि वभिाग की अध्यक्ष डॉ. तूलकिा चंद्रा के अनुसार पेथोजेन की कटि में चार अलग-अलग ब्लड यूनटि को रखा जाता है, जो रक्त यूनटि में अल्ट्रवायलेट इम्यूमनिेटर के द्वार 10-15 मनिट में ही रक्त के सभी प्रकार के जीवाणु को हटाकर रक्त यूनटि को पूरी तरह शुद्ध करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/asia-s-first-pathogen-reduction-machine-in-lucknow